PAGE No
DATE : / /201

उद्यमिता कौशल
(Entrepreneurship Skills)

अन्य आर्थिक क्रियाओं (नौकरी अथवा अन्य कोई भी धंधा) से भिन्न उद्यमिता, अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने की एक प्रक्रिया है व्यक्ति विशेष जो व्यवसाय की स्थापना करता है उसे उद्यमी कहते है। प्रक्रिया की इस देन (उत्पाद) अर्थात स्थापित व्यावसायिक इकाई को उद्यम कहा जाता है।

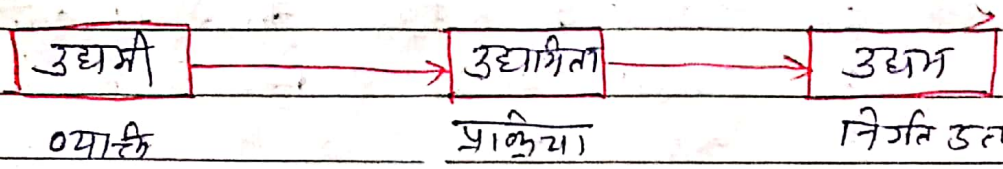

उद्यमी	→	उद्यमिता	→	उद्यम
व्यक्ति		प्रक्रिया		निर्गत उत्पाद

उद्यमिता का अर्थ – उद्यमिता से तात्पर्य व्यवसाय में विभिन्न जोखिमों को वहन करने, नवाचार एवं नेतृत्व, उत्पादन के संसाधनों को बेहतर ढंग से उपयोग करने से है।

उद्यमी का अर्थ – एक प्रतिनिधि जो उत्पादन के साधनों को निश्चित मूल्य पर क्रय करता है तथा भविष्य में उनका अनिश्चित मूल्य पर विक्रय करने के लिए निर्माण करता है।

उद्यमिता की विशेषताएं –

1– **नियमित क्रिया** – ~~क्र~~ उद्यमिता एक नियमबद्ध कदम दर कदम चलने वाली उद्देश्यपूर्ण क्रिया है।

2– **सृजनात्मक गतिविधि** – उद्यमिता में नए उत्पादों का परिचय, नए बाजारों की खोज तथा नए ~~संगठन~~ संगठनात्मक रूपों का कार्य है।

3– **उत्पादन का संस्थान** – किसी भी चीज के उत्पादन के लिए भूमि, श्रम, पूंजी तथा तकनीकी की संयुक्त रूप से आवश्यकता होती है।

Scanned with CamScanner

4- जोखिम उठाना → एक उद्यमी अपने उद्यम के हितार्थ विभिन्न प्रकार के जोखिम उठाता है।

उद्यमी के कार्य -

1- उपक्रम का प्रबन्ध व संगठन करना
2- नए व्यापारिक अवसरों की खोज करना
3- परियोजना नियोजन करना व प्रतिवेदन तैयार करना
4- पूंजी की व्यवस्था करना
5- नवकरणों का विकास करना तथा अपनाना
6- रोजगार के अवसरों का सृजन करना
7- साहस विकास कार्यक्रम में भाग लेना
8- कुशल विपणन व्यवस्था तैयार करना।

उद्यमी के कार्य - (राजनैतिक, प्रबंधन एवं तकनीकी)

(A) विनिमय सम्बन्धों का विकास
(i) बाजार के अवसरों की पहचान
(ii) दुर्लभ संसाधनों पर अधिकार करना
(iii) आगत का क्रय करना
(iv) उत्पादों का विपणन व प्रतियोगिता के लिए तैयार रहना

(B) राजनैतिक प्रशासन -
(i) राज्य की उच्चस्तरशाही को साधना
(ii) मानवीय सम्बन्धों का प्रबंधन
(iii) ग्राहक एवं आपूर्तिकर्ता के बीच संबंध का प्रबंधन

(C) प्रबंध नियन्त्रण
(i) वित्त प्रबंधन
(ii) उत्पादन प्रबंधन

(D) तकनीकी
1- कारखाने का अधिग्रहण करना

Scanned with CamScanner

(ii) औद्योगिक यान्त्रिकी
(iii) उत्पादन प्रक्रिया एवं गुणवत्ता में सुधार
(iv) नए उत्पाद तकनीक लाना।

उद्यमी की प्रतिस्पर्द्धात्मक क्षमताएं —

एक संस्था या उपक्रम की सफलता उद्यमी की प्रतिस्पर्द्धात्मक क्षमताओं पर निर्भर करती है। प्रतिस्पर्द्धात्मक क्षमताओं का आशय निम्न से है —

(1) विषय-वस्तु का ज्ञान
(2) व्यक्तित्व
(3) मानवीय व्यवहार
(4) कौशल

उद्यमी की विफलता के कारण —

1- प्रबन्धकीय अनुभव का अभाव
2- सही लेखा विधि का अभाव
3- नगद आवश्यकता का गलत अनुमान
4- विचार का अधूरा ज्ञान
5- नेतृत्व का अभाव
6- ग्राहकों वितरकों के सुझाव व शिकायतों पर ध्यान न देना।

X X X

Scanned with CamScanner